एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

- कहा : इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।

डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

Ajit 17-5-25

ਐਸ. ਡੀ. ਕਾਲਜ 'ਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 'ਤੇ ਇਕ ਭਾਸ਼ਨ ਕਰਵਾਇਆ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 16 ਮਈ (ਮਾਰਕੰਡਾ)-ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਐਸ. ਡੀ. ਕਾਲਜ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 'ਤੇ ਇਕ ਭਾਸ਼ਨ ਕਰਵਾਇਆ। ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਐਨ. ਈ. ਪੀ. ਸੈੱਲ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਅਨਿਲ ਮੋਗਾ ਨੇ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ (ਐਨ. ਈ. ਪੀ.) 2020 'ਤੇ ਇਕ ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਭਾਸ਼ਨ ਦਿੱਤਾ। ਇਕ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਤੇ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਕ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਡਾ. ਮੋਗਾ ਨੇ ਨੀਤੀ ਦੇ ਨਵੀਨਤਾਕਾਰੀ ਤੱਤਾਂ ਨੂੰ ਉਜਾਗਰ ਕੀਤਾ, ਜੋ ਕਿ ਸੰਪੂਰਨ ਸਿੱਖਿਆ, ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਏਕੀਕਰਨ, ਸਥਾਨਕ ਭਾਸ਼ਾ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਤੇ ਵਿਰਾਸਤ ਬਾਰੇ ਸੰਵੇਦਨਸ਼ੀਲ ਬਣਾਉਣ 'ਤੇ ਕੇਂਦ੍ਰਿਤ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਦੋ ਧਾਰਾਵਾਂ 'ਚੋਂ ਚੋਣ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਬਣਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਇਕ ਦੂਜੇ ਦੇ ਪੂਰਕ ਹਨ। ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ ਹੁਣ ਤੱਕ 166 ਐਮ. ਡੀ. ਸੀ., 151 ਐਸ. ਈ. ਸੀ. ਤੇ 156 ਵੀ. ਏ. ਸੀ. ਕੋਰਸ ਵਿਕਸਤ ਕੀਤੇ ਹਨ। ਇਸ ਨੀਤੀ ਦੌਰਾਨ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਵਾਤਾਵਰਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਬਦਲਣ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਹੈ। ਐਨ. ਈ. ਪੀ. ਨੂੰ ਇਸ ਦੀ ਅਸਲ ਭਾਵਨਾ 'ਚ ਅਪਣਾਉਣ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀ ਨਾਲ ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ ਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ਹਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਲਈ ਇੰਟਰਸ਼ਿਪ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕਰਨਾ ਤੇ ਸਿੱਖਿਆ-ਕੇਂਦ੍ਰਿਤ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਪਹੁੰਚਾਂ ਨੂੰ ਅਪਣਾਉਣਾ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਿੱਸੇਦਾਰਾਂ ਦੀ ਸ਼ਮੂਲੀਅਤ, ਵਿਚਾਰ-ਵਟਾਂਦਰੇ ਤੇ ਯੋਜਨਾਬੰਦੀ ਨੇ ਸਾਡੇ ਕਾਲਜ 'ਚ ਐਨ. ਈ. ਪੀ. ਨੂੰ ਸੁਚਾਰੂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਹਾਇਤਾ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਲੈਕਚਰਾਂ, ਓਰੀਐਂਟੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਤੇ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਸੁਧਾਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਐਨ. ਈ. ਪੀ. 2020 ਨੂੰ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਦੇ 1200 ਤੋਂ ਵੱਧ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਪੋਰਟਲਾਂ 'ਤੇ ਨਾਂਅ ਦਰਜ ਕਰਵਾਇਆ ਹੈ। ਕਾਲਜ ਨੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਡੇਂਗੂ ਦਿਵਸ ਮਨਾ ਕੇ ਸਮਾਗਮ ਦੀ ਸਮਾਪਤੀ ਕੀਤੀ।

ਐਸ. ਡੀ. ਕਾਲਜ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿਖੇ ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਐਨ. ਈ. ਪੀ. ਸੈੱਲ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਅਨਿਲ ਮੋਗਾ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕਰਕੇ ਹੋਏ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ। ਤਸਵੀਰ : ਗੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लैक्चर

चंडीगढ़, 16 मई (राम सिंह बराड़): सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरिया इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लेक्सिबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि करिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स, स्किल एनहांसमेंट कोर्स और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है। डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया।

अजीत समाचार 17-May-2025
Page: 3
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
http://www.ajitsamachar.com/20250517/20/3/1_1.cms

Amar Ujala 17-5-25

विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति की दी जानकारी

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में शुक्रवार को नई शिक्षा नीति पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पीयू के एनईपी सेल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक लेक्चर दिया।

डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के नवीन तत्वों पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, प्रौद्योगिकी एकीकरण, स्थानीय भाषा पर जोर, भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना है। संवाद

Arth Parkash 17-5-25

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के

इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है। डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

Chandigarh Bhaskar 17-5-25

जीजीडीएसडी कॉलेज में न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर

चंडीगढ़। जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर-32 में शुक्रवार को पीयू के एनईपी सेल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 पर एक इंटरेक्टिव लेक्चर दिया। उन्होंने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर रोशनी डाली, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लेक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में स्टूडेंट्स को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। किए हैं।

Chandigarh Times 17-5-25

NEP session in GGDSD College

Chandigarh: Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, Chandigarh, organised an interactive session on the New Education Policy (NEP) 2020, featuring a lecture by PU's NEP cell coordinator, Prof Dr Anil Monga, who is also chairperson at Centre for Police Administration, University Institute of Emerging Areas in Social Sciences, outlined the key features of NEP.

Chandigarh Tribune 17-5-25

CAMPUS NOTES

SD COLLEGE

Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, Chandigarh, organised a lecture on the New Education Policy today. Panjab University's NEP Cell Coordinator, Prof Dr Anil Monga, delivered an interactive lecture on the New Education Policy (NEP) 2020. Dr Monga additionally holds the position of Professor and Chairperson at the Centre for Police Administration within the University Institute of Emerging Areas in Social Sciences.As a distinguished academician and administrator, Dr Monga highlighted the policy's innovative elements, focusing on holistic education, flexibility, technology integration, local language emphasis and sensitising students about India's culture and heritage.

Dainik Savera Times 17-5-25

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लैक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन ईकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

प्रिंसिपल डा. मोंगा का वैल्कम करते हुए तथा (दाएं) स्टाफ डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ लेते हुए।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 16 मई : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लैक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लैक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफैसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। डॉ.मोंगा ने अपना लैक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। डॉ. शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है।

एसडी कॉलेज सेक्टर-32 में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं।

उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और

सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है। डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

Divya Himachal 17-5-25

एसडी कालेज में न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर इंटरेक्टिव लेक्चर

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल को-आर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरेक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीच्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉण् अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिताए विचार.विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की है क्षमता

फास्ट मीडिया
चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज

चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है। डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

चण्डीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब

यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।

डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

➡ कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया।

डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है।

पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यकः डॉ. मोंगा

डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो

छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।

डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सीबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। एनईपी को उसकी वास्तविक भावना के साथ अपनाने के लिए सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके साथ आने वाली चुनौतियों में हर छात्र के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था करना और सीखने-केंद्रित शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।

डॉ. मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसमें इंटर्नशिप की सुविधा के लिए सरकारी एजेंसियों और पोर्टलों, पूर्व छात्रों, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करके एक संरचित दृष्टिकोण सुनिश्चित किया गया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है। कॉलेज ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाकर कार्यक्रम का समापन किया, जहां स्टाफ ने डेंगू के खिलाफ लड़ने की शपथ ली।

एसडी कॉलेज में प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

कहा, इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है

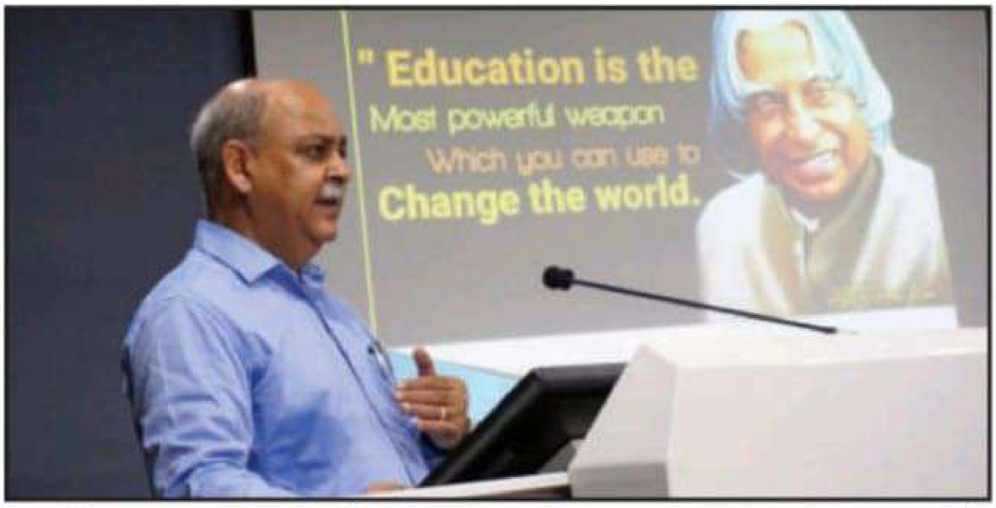

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया। डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं।

एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है। पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है। डॉ.मोंगा ने अपना लेक्चर समाप्त करते हुए कहा कि निरंतर सीखना, आकलन और मूल्यांकन आवश्यक है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि हितधारकों की सहभागिता, विचार-विमर्श और योजना के कारण उनके कॉलेज में एनईपी का सुचारू कार्यान्वयन हुआ है। कॉलेज लेक्चर्स, ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स और कुरिकुलम रिफार्म्स के माध्यम से एनईपी 2020 को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। डॉ.शर्मा ने बताया कि उनके कॉलेज के 1200 से अधिक छात्रों ने सरकारी पोर्टल पर नामांकन कराया है।

प्रो. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर दिया इंटरैक्टिव लेक्चर

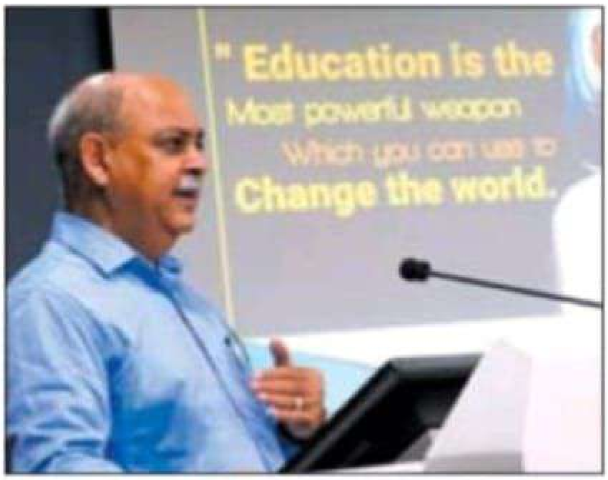

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/विज : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में न्यू एजुकेशन पॉलिसी पर लेक्चर का आयोजन किया गया। पंजाब यूनिवर्सिटी के एनईपी सैल कोआर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. अनिल मोंगा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 पर एक इंटरैक्टिव लेक्चर दिया।

डॉ. मोंगा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इमर्जिंग एरियाज इन सोशल साइंसेज में सेंटर फॉर पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रोफेसर और अध्यक्ष भी हैं। एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और प्रशासक के रूप में, डॉ. मोंगा ने पॉलिसी के इनोवेटिव एलिमेंट्स पर प्रकाश डाला, जिसमें समग्र शिक्षा, फ्लैक्सेबिलिटी, टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन, लोकल लैंग्वेज पर जोर और भारत की संस्कृति और विरासत के बारे में छात्रों को संवेदनशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि कुरिकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क दो-स्ट्रीम विकल्प प्रदान करता है, जो छात्रों को दो स्ट्रीम में से चुनने में सक्षम बनाता है जो एक-दूसरे के पूरक हैं, जिससे छात्रों को मल्टीडिसिप्लनरी कोर्सेज, स्किल एनहान्समेंट कोर्सेज और वैल्यू-एडेड कोर्सेज चुनने में मदद मिलती है।

पंजाब यूनिवर्सिटी ने अब तक 166 एमडीसी, 151 एसईसी और 156 वीएसी कोर्सेज डेवलप किए हैं। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी में भारत में हायर एजुकेशन इकोसिस्टम को बदलने की क्षमता है।